उत्तरमाला
क. केवल दो और तीन सही
ख. सज्जन दुर्जन की पहचान करना
ग. दूसरों के मार्ग में अवरोध उत्पन्न कर स्वयं आगे बढ़ना
घ. दूसरों के हित साधने की चिंता करना
ङ कथन A में सही है और कारण R कथन A की सही व्याख्या है

1.'नेताजी का धरना' पाठ में लेखक ने नगरपालिका की कार्यपद्धति पर व्यंग्य किया है कि नगरपालिका का बहुत सारा समय असमंजस में तथा चिट्ठी-पत्री जैसी औपचारिकताओं में नष्ट हो जाता है, जिसके कारण कार्य होने में विलंब हो जाता है। अंत में जल्दबाज़ी में कार्य ठीक ढंग से भी नहीं किया जाता। तात्पर्य यह है कि नगरपालिकाको कार्यपद्धति में औपचारिकता तथा दिखावे को ही अधिक महत्त्व दिय जाता है।

2. 'बालगोबिन भगत' के खेतों में जो पैदावार होती थी, वे उसे कबीरपंथी मठ में भेंट के रूप में चढ़ा देते थे। वहाँ से जो कुछ प्रसाद के रूप में मिलता था, उसी से अपने और अपने परिवार का गुजारा करते थे। इससे यह प्रकट होता है कि वह कबीर के भक्त थे और उन्हीं को अपना साहब मानते थे, उनका आदर करते थे तथा अपनी सभी वस्तुओं पर उनका अधिकार समझते थे।

3. लेखिका की माँ का स्वभाव अपने पति जैसा नही था। वे एक अनपढ़ महिला थी। वे अपने पति के क्रोध को चुपचाप सहते हुए स्वयं को घर के कामों में व्यस्त किए रहती थी। अनपढ़ होने पर भी लेखिका की माँ धरती से भी अधिक धैर्य और सहनशीलता वाली थी। उन्होंने अपने पति के सभी अत्याचारों को भाग्य समझा। उन्होंने परिवार में किसी से कुछ न माँगा बल्कि दिया ही दिया है।
4.'लखनवी अंदाज' के पात्र नवाब साहब का व्यवहार पतनशील सामंती वर्ग और उसकी बनावटी जीवन-शैली पर व्यंग्य करता है। नवाब बनावटी जीवन-शैली अपनाने में विश्वास करते हैं और इसी में अपना पूरा जीवन बिता देते हैं। उन्हें जीवन के यथार्थ और कड़वी सच्चाइयों से कोई सरोकार नहीं होता। नवाब साहब वास्तविकता से बेखबर कृत्रिम जीवन जीने में विश्वास करते हैं तथा सामान्य जीवन से कोसों दूर रहते हुए स्वयं को विशिष्ट श्रेणी का सदस्य मानते हैं।
5.पर्यावरण को संरक्षित करना हमारा नैतिक कर्त्तव्य है। हम इस कार्य में निम्न प्रकार से अपना योगदान दे सकते हैं ।
(i)अपने शहर को हरा-भरा तथा को स्वच्छ रखने में सरकार का सहयोग करना चाहिए।
(ii) सभी प्रकार के प्रदूषणों को रोकने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास करना चाहिए: जैसे-सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का प्रयोग करना, नदियों में कूड़ा न फेंकना आदि।
iii) समय-समय पर पर्यावरण संरक्षण के अभियान चलाकर अपने आस-पास के लोगों को जागरूक करना होगा।
(iv) ग्लेशियर के संरक्षण के लिए अधिक ऊंचाई वाले पहाड़ों पर पर्यटन कम करना चाहिए।